“नव वर्ष २०१५ की हार्दिक बधाई”

संगमयुग के इस पावन पर्व पर, हर घडी है इक आलोकिक उत्सव और त्यौहार |

नए पुरुषार्थ की नई उमंग लेकर, संपन्न और संपूर्ण बनाने आया है वर्ष २०१५ इस बार ||

चैतन्ये फूलों में गुणों के रंग और पवित्रता की खुशबू भरकर, किया है बच्चो का दैवी श्रृंगार |

बड़े गर्व और फकुर से कहते, कि हमारा पालनहार है स्वयं पतित-पावन शिव निराकार ||

बंधकर एकता और स्नेह के सूत्र में, कलयुगी गोवर्धन अब उठाना है |

ईश्वरीय शक्तियों और सिद्धियों से २०१५ को मुक्ति वर्ष मानना है ||

स्नेह और सहयोग की, हर पल देनी है सौगात सभी को |

सहज, सरल हो योगी जीवन इतना, जो नजर आये इसमें बाप सभी को ||

याद और सेवा में, नव वर्ष की नवीनता कुछ ऐसी हो |

जो स्वयं वरदाता बाप कहे, कि सन्तान हो तो ऐसी हो ||

नव वर्ष में उमंग - उत्साह, खुशियों और आशाओ के दीप सदा जागते रहे |

सच्चे - सच्चे खुदाई - खिदमदगार बन, हम सब उस मालिक की सेवा करते रहे ||

इस रूद्र अविनाशी यज्ञ में अब आई है, अपनी अंतिम आहूति देने की बारी |

नए वर्ष २०१५ में स्मृति स्वरुप और नष्टोमोहा बन, अपने लक्ष्ये को पाने की करनी है पूर्ण तैयारी ||

संगमयुग के इस पावन पर्व पर, हर घडी है इक आलोकिक उत्सव और त्यौहार |

नए पुरुषार्थ की नई उमंग लेकर, संपन्न और संपूर्ण बनाने आया है वर्ष २०१५ इस बार ||